कुछ मुख्य सेवाकेन्द्र

अहमदाबाद : भूलाभाई पार्क रोड़, काकरिया, फोन : 079- 25324360, 25324460, 25324660

भोपाल : ई/5, अरेरा कॉलोनी, मेन रोड़ नं. 3, फोन : 0755 - 2463838

बरहमपुर : गिरी रोड़, फोन : 0680 - 2203104

चण्डीगढ़: सेक्टर 33-ए, फोन : 0172 - 2601339

चेन्नई : 14 शॉप कॉम्प्लेक्स के सामने, अन्नानगर, फोन : 044-26267441, 26285661, 26202855

दिल्ली : ज्ञानविज्ञान भवन, प्लाट नं 1-2, डेरावल नगर फोन : 011-27220594, 27445372

गुडगांव : ओम् शान्ति रिट्रीट सेन्टर, बिलासपुर चौक, बोहडा कलां जिला गुडगांव ,फोन : 0124-266700

गोहाटी : 1 बाई लेन, रूपनगर, फोन : 0361 - 2460297, 2460300

हैदराबाद : एक्टेन्शन रोड़ नं. 12, बनज़ारा हिल्स, फोन : 040 - 23396188, 23329721

इन्दौर: वार्ड नं. 37, न्यू पलासिया, फोन : 0731-2531531, 2532532, 2539539

जयपुर: राजयोगा भवन, अमरपाली मार्ग, वैशाली नगर, कम्युनिटी सेन्टर के सामने-302021- फोन- 0141-2354557, 2354502

जोधपुर: पावन धाम, राम कुटीर के पीछे, नाला रोड़ सरदारपुर, फोन : 02912435069

हैदराबाद: शान्ति सरोवर,गचीबौली, फोन: 04023005983

नई दिल्ली : पाण्डव भवन, 25 न्यू रोहतक रोड, करोल बाग, फोन : 011 - 23628976, 23547805

जुनागढ़ : गिरनार दरवाजा, राधानगर,फोन:0285- 2651728, 2655975

कानपुर : रतन महल, पहली मंजिल, फ्लैट न॰- 11, 15/197-जी ब्लॉक, सिविल लाईन फोन : 0512 - 2330945, 2304764

कोलकता : 81/1, बांगुर एवेन्यु, फोन : 033 - 25747863

मुम्बई : नरोत्तम निवास, सायन, फोन : 022 - 24073015, 24024702

नागपुर : 8-ए, वसन्त नगर, फोन : 0712 - 2225746, 2245178, 2246793

न्यू मुम्बई : आत्म चिन्तन भवन, सेक्टर 14,प्लॉट नं. 48/19, एम.जी. कॉप्लेक्स, वाशी फोन : 022 - 27661169

श्रीगंगानगर: सुखाड़िया नगर, धर्मशाला, फोन:0154-2460849

मैसूर : ज्ञान प्रकाश भवन, 59/3, 2 मेयन, यादवगिरी, आकाशवाणी के पीछे, फोन : 0821 - 2512227

काठमांडू: कालानकी, फोन : 00977-1-4109285

बुरहानपुर: बहादुरपुर रोड़, इन्दिरा कालोनी, फोन: 0732-257522

हुबली: महिला महाविद्यालय रोड़, जे. सी नगर, फोन: 0836-2367274

बैंगलोर: न्यू हाई स्कूल रोड़, विश्ववेशपुरम, फोन: 080-26603509

अभियान का उद्देश्य :-

1. बेटी की सुरक्षा के लिये समाज एवं परिवार में नैतिक एंव आध्यात्मिक जागृति लाना
2. महिलाओं का स्वयं की सुरक्षा के लिये सशक्तिकरण
3. महिलाओं में आत्मविश्वास, आत्मसम्मान, आत्मसुरक्षा,आत्मानिर्णय के विकास हेतु आध्यात्मिक ज्ञान एवं राजयोग अभ्यास शिविरों का आयोजन।
4. सार्वजनिक स्थान में महिलाओं की सुरक्षा एंव सम्मान के लिए आवश्यक प्रेरणादायी स्लोगन्स, प्रवचन, प्रोजेक्टर शो, कार्यशालायें आयोजन करना।
5. मानव मन में आपराधिक घृणित एंव उत्तेजित विचारों को पैदा करने वाले सभी स्त्रोतों जैसे अश्लील साहित्य, सिनेमा, विज्ञापन आदि पर पाबंदी हेतू सामाजिक जागृति।
6. सम्पूर्ण भारत एंव विश्व में महिला रैलियों द्वारा इस अभियान की सफलता के लिए कार्यक्रम।

अधिक जानकारी के लिए निम्नलिखित केन्द्रों पर सम्पर्क करें :

राष्ट्रीय अध्यक्षा का कार्यालय :

ब्र.कु. चक्रधारी,
19/17, शक्तिनगर, दिल्ली - 110007,
Mobile : 9958885544
फोन : 011- 23841877, **फैक्स :** 23841817
E-mail : shaktinagar.del@bkivv.org
& womenwing@bkivv.org

मुख्यालय संयोजिका का कार्यालय :

ब्र.कु.डॉ. सविता
ब्रह्माकुमारीज़, शान्तिवन -307510,
आबूरोड़, सिरोही (राज.)
Mobile: 9414155345
फोन : 02974 - 228101 To 6, **फैक्स :** 228116
E-mail : savitabehn@gmail.com
Web Site - bkwomenwing.com

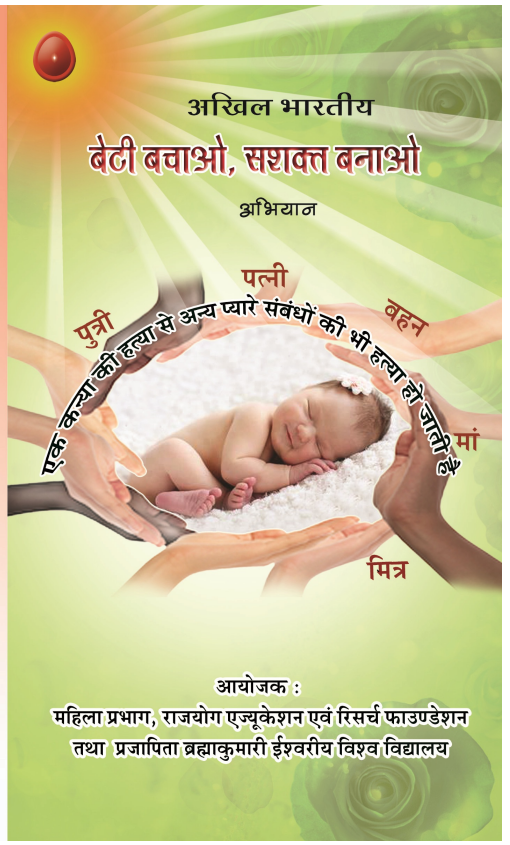

आयोजक :
महिला प्रभाग, राजयोग एज्यूकेशन एवं रिसर्च फाउण्डेशन
तथा प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय

बेटी बचाओ, सशक्त बनाओ

आदिकाल से ही हमारे भारतवर्ष में नारी को सम्मानीय व पुरुष से भी उत्तम दर्जा दिया जाता रहा है तभी तो गायन में भी पहले राधा फिर कृष्ण, श्री लक्ष्मी- नारायण, सीता-राम आदि का नाम आता है। स्त्री पुरुष को समान अधिकार थे शासक हो या प्रजा दोनों ही जगह नारी को पूजनीय व घर की लक्ष्मी समझते थे धीरे धीरे समय का चक्र बीतने के साथ ही जहां आत्मा की शक्ति कमजोर हुई लोग अपने को देहधारी समझने लगे। समाज पुरुष प्रधान होता चला गया। जिस नारी को मनुष्य दैवी के समान दर्जा देते थे। उसे भोग-विलास की वस्तु समझा जाने लगा। पुरुष प्रधान समाज में नारी का तेजी से अधोपतन होने लगा उसे घर की चारदीवारी में कैद कर दिया गया।

समय के साथ बुराईयां भी बढ़ती चली गई। समाज में अनेक कुरीतियां जैसे दहेज प्रथा, बाल विवाह, पर्दा प्रथा,सती प्रथा आदि से नारी का अधिक शोषण होने लगा और आज तो अल्ट्रासाउण्ड जैसी आधुनिक मशीनों के अविष्कार के बाद समाज में कन्या हत्या होने लगी, भ्रूण का गर्भ में ही लिंग परीक्षण कर,यदि लड़की है तो उसे जन्म से पहले ही मार दिया जाता है, इस कारण लिंगानुपात असंतुलित होता जा रहा है भारत के कई राज्य पहले से ही इस समस्या से जूझ रहे हैं। ये भविष्य में व्यभिचार, अनाचार, दुराचार को बढ़ावा देगा। दहेज प्रथा एंव वंश परंपरा जैसी कुरीतियां इसके लिये जिम्मेवार हैं। आए दिन बलात्कार जैसी घटनाएं हम पेपर में पढ़ते हैं, कहीं किसी को दहेज के लिए प्रताड़ित किया जाता है या जला दिया जाता है तो कहीं वो घरेलू हिंसा का शिकार हो रही है। समाज में नारी की ऐसी दूर्दशा देख कर हमारी रूह कांप जाती है।

सरकार ने कानून अवश्य बनाये हैं परन्तु समाज में नारी के सम्मान एंव गौरव को पुन: प्रतिस्थापित करने के लिये जागृति लाना आवश्यक है। वर्तमान में शिक्षित नारी ने सभी क्षेत्रों में अपनी योग्यता को सिद्ध किया है वह अपने अधिकारों के प्रति जागरुक है और समाज के विकास में अपना योगदान दे रही है। परन्तू

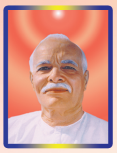

प्रजापिता ब्रह्मा
साकार संस्थापक
ब्रह्माकुमारीज

दादी जानकी
मुख्य प्रशासिका
ब्रह्माकुमारीज़

दादी हृदयमोहिनी
संयुक्त मुख्य प्रशासिका
ब्रह्माकुमारीज़

*शिक्षा की यह अलख ग्रामीण भारत तक पूर्णरुप से नहीं पहुँच पाई है जहाँ आज भी समाज अनेक कुरीतियों के गिरफ्त में है. महिलाओं को सशक्त बनाने के लिये समाज में जागृति लाना आवश्यक है इसी उद्देश्य से प्रजापिता ब्र.कु. ई.वि. विद्यालय के महिला प्रभाग द्वारा सितम्बर मास से **एक जन जागृति अभियान बेटी बचाओ, सशक्त बनाओ भारतवर्ष के विभिन्न राज्यों में निकाला जायेगा।***

महिला प्रभाग द्वारा नारी के उत्थान हेतु कार्यक्रम

दिसम्बर 2014 में आयोजित कार्यक्रम का उद्घाटन सत्र

डायमण्ड जुबली सभागृह में उपस्थित जन समूह

आयोजक

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय एक अन्तर्राष्ट्रीय संस्था है, जिसकी स्थापना सन् 1936 में हैदराबाद सिन्ध में हुई। वर्तमान में जिसका मुख्यालय माऊण्ट आबू (राजस्थान) में है। इसके लगभग 8500 से अधिक सेवाकेन्द्र 130 देशों में स्थित हैं। विश्वविद्यालय में आध्यात्मिक ज्ञान एवं सहज राजयोग की शिक्षा दी जाती है, जिससे मानव में नैतिक एवं आध्यात्मिक मूल्यों का विकास होता है, उसे श्रेष्ठ जीवन जीने की कला आ जाती है। इसे संयुक्त राष्ट्र संघ के जनसम्पर्कविभाग में गैर-सरकारी संस्थान के रूप में परामर्शदाता का स्थान प्राप्त है, साथ-साथ यह यूनेस्को एवं ईकोसोक (UNICEF, ECOSOC) से भी संलग्न है। समूचे समाज की शैक्षिक एवं प्रशिक्षण सम्बन्धी सेवा के लिये विद्यालय मेंअनेक प्रभाग बने हुए हैं, जिसमें समाजसेवा प्रभाग, प्रशासक प्रभाग, ग्राम विकास प्रभाग, चिकित्सा प्रभाग, न्यायविद् प्रभाग, मीडिया प्रभाग इत्यादि मुख्य हैं। ऐसे 18 प्रभागों में एक ''*महिला प्रभाग*'' भी है, जो महिलाओं के आध्यात्मिक सशक्तिकरण द्वारा उनकी समस्याओं का समाधान प्रदान करता है। प्रभाग का क्षेत्रिय कार्यालय हरेक प्रदेश में तथा सहायक कार्यालय विभिन्न नगरों में हैं।